



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 357]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 8, 2019/कार्तिक 17, 1941

No. 357]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 8, 2019/KARTIKA 17, 1941

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

संशोधन अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 2019

विषय : चीन जन. गण., कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताईवान, थाईलैंड और यू एस ए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलेस स्टील के कोल्ड राल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच दिनांक 31.12.2018 की अधिसूचना संख्या 15/4/2104-डीजीएडी और दिनांक 11 फरवरी, 2015 की अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) और दिनांक 31 दिसम्बर, 2018 की 14/1/1014-डीजीएडी और दिनांक 24 अक्टूबर, 2017 की अधिसूचना संख्या 52/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) में संशोधन।

फा. सं. 15/4/2014-डीजीएडी.—समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां आगे "अधिनियम" कहा गया है) और उसकी समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, मूल्यांकन और पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए ;

क. पृष्ठभूमि

- संख्या.15/4/2014-डीजीएडी- जबकि उपर्युक्त नियमावली के तहत नियुक्त, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार में नियुक्त निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां आगे "प्राधिकारी" कहा गया है) ने उपर्युक्त अधिनियम

एवं नियमावली को ध्यान में रखते हुए चीन जन. गण., कोरिया गणराज्य, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, चीनी ताईपेई, थाईलैंड और संयुक्त राज्य अमरीका (जिन्हें यहां आगे संबद्ध देश कहा गया है) से स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों (जिन्हें यहां आगे संबद्ध उत्पाद कहा गया है) के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी जांच के संबंध में पाटनरोधी जांच के संबंध में अपने 12 अक्टूबर, 2015 के अंतिम जांच परिणाम और संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों पर निश्चायक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हुए दिनांक 18.8.2017 की अधिसूचना संख्या 14/1/2014-डीजीएडी द्वारा उसके बाद प्रवंचनारोधी जांच अधिसूचित की।

3. और जबकि दिनांक 11 दिसंबर, 2015 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क एडीडी और दिनांक 24.10.2017 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या. 52/2017- सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा उपर्युक्त दोनों जांचों के संबंध में संबद्ध सामानों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।
4. और जबकि मै० पोसको देवू कॉरपोरेशन ने दिनांक 17.9.2018 की व्यापार सूचना संख्या 12/2018 के अनुसार उपर्युक्त जांच के संबंध में निर्यातक का नाम मै० देवू इंटरनेशनल कॉरपोरेशन से बदलकर मै० पोसको देवू कारपोरेशन करने का अनुरोध किया। समीक्षा के अनुसरण में प्राधिकारी ने दिनांक 12 फरवरी, 2019 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 8/2019-सीमा शुल्क एडीडी के माध्यम से और 12 फरवरी, 2019 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 9/2019-सीमा शुल्क एडीडी में निर्यातक का नाम 'देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन' से 'पोसको देवू कारपोरेशन' में बदलने के लिए क्रमशः दिनांक 11 दिसंबर, 2015 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क एडीडी और 24.10.2017 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 52/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) में शुद्धि की सिफारिश की।

ख. प्रक्रिया

5. मै. पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन (जिसे पूर्व में "पोसको देवू कारपोरेशन" और उससे पूर्व "देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन" के रूप में जाना जाता था) ने दिनांक 17.9.2018 की व्यापार सूचना संख्या 12/2018 के अनुसार निर्यातक का नाम मै० पोसको देवू कारपोरेशन से मै० पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन में बदलने का अनुरोध करते हुए एक विधिवत पूर्ण आवेदन नाम दायर किया।
6. अनुरोध की प्रकृति पर विचार करते हुए और दिनांक 17.9.2018 की व्यापार सूचना संख्या 12/2018 के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को आवेदन पत्र का अगोपनीय रूपांतर परिचालित किया और हितबद्ध पक्षकारों से उस पर विचार मांगे ताकि अनुरोध पर उपयुक्त रूप से विचार किया जा सके और मध्यावधि समीक्षा करने की आवश्यकता का मूल्यांकन किया जा सके। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
7. दिनांक 02.07.2019 को एक मौखिक सुनवाई की गई थी, जिसमें सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोध करने का अवसर दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों को अपने लिखित अनुरोध तथा प्रत्युत्तर अनुरोध भी निर्धारित तारीख के भीतर दायर करने थे। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर अनुरोध संक्षेप में निम्नलिखित हैं :

ग. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

8. **मै० पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन (आवेदक/निर्यातक) द्वारा लिखित अनुरोध**

- (i) पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन ने पूरे विश्व में कंपनी का समान ब्रांडिंग हासिल करने की दृष्टि से अपना नाम पोसको देवू कारपोरेशन से बदलकर 'पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन' कर दिया। इस संबंध में आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए गए हैं :

क. नामदेमम जिला कर प्राधिकारी द्वारा जारी दिनांक 26 मार्च, 2019 का व्यापार पंजीकरण प्रमाणपत्र।

ख. नामदेमम जिला कर प्राधिकारी द्वारा जारी दिनांक 22 मार्च, 2019 का व्यापार पंजीकरण प्रमाणपत्र।

ग. दिनांक 19 मार्च, 2019 का वाणिज्यिक रजिस्ट्री प्रमाणपत्र

- घ. पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन में ने नाम बदलने के संबंध में कंपनी द्वारा पारित दिनांक 18 मार्च, 2019 का बोर्ड संकल्प ।
- ड. पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन का आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन ।
- च. पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन का वित्तीय विवरण ।
- (ii) पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन ने नाम बदले जाने के बावजूद (क) पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन और मै० देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन की एक ही आवासीय (कारपोरेशन) पंजीकरण संख्या है। इसके अतिरिक्त, (ख) नाम में परिवर्तन कंपनी के रजिस्टर और संबंधित कर प्राधिकारी द्वारा जारी व्यापार पंजीकरण प्रमाण पत्र में दर्शाया गया है और (ग) स्वामित्व के शेयरधारिता पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं है और इसीलिए निर्यातक के व्यापार प्रचालनों की आधारभूत प्रकृति में कोई बदलाव नहीं है।
- (iii) आवासीय (कारपोरेशन) पंजीकरण संख्या (110111-2137358) सभी प्रमाण पत्रों में निरंतर समान रही है, अर्थात् नामदेमम जिला कर प्राधिकारी द्वारा जारी 26 मार्च, 2019 के व्यापार पंजीकरण प्रमाण पत्र में, इंचियन जिला कर प्राधिकारी द्वारा जारी दिनांक 22 मार्च, 2019 के व्यापार पंजीकरण प्रमाण पत्र में 19 मार्च, 2019 के वाणिज्यिक रजिस्ट्री प्रमाण पत्र में समान रही। इसके अतिरिक्त, पूर्व में डी जी टी आर में दायर वाणिज्यिक रजिस्ट्री प्रमाणपत्र जब नाम देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन से पोसको देवू कारपोरेशन में बदल गया, में भी समान पंजीकरण संख्या 110111-2137358 उल्लिखित है।
- (iv) कंपनी की शेयरधारिता में पिछले 3 वर्षों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, जो सिद्ध करता है कि कंपनी नाम परिवर्तन पर ध्यान न देते हुए, निरंतर समान रही है।
- (v) दूसरी बार पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन में नाम परिवर्तन के बाद कंपनी को देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन और बाद में पोसको देवू कारपोरेशन के लिए लागू 5.39 प्रतिशत के बजाय "13.44 प्रतिशत की अन्य सभी की दर" पर पाटनरोधी शुल्क की मांग करते हुए सीमा शुल्क प्राधिकारियों से कई डिमांड नोटिस और पूछताछ पत्र प्राप्त होने शुरू हो गए। इसके कारण सीधी गिरावट पर, यद्यपि कंपनी को विशिष्ट उत्पादक निर्यातक संयोजन के लिए 5.39 प्रतिशत पाटनरोधी शुल्क देना था, परंतु अब सीमा शुल्क विभाग 13.44 प्रतिशत की दर पर पाटनरोधी शुल्क की मांग कर रहा है। इस प्रकार, विसंगत स्थिति बनी हुई है जिसमें दिनांक 11 दिसंबर, 2015 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) में उल्लिखित नाम की तुलना में निर्यातक के वर्तमान नाम में परिवर्तन है, परंतु तथ्य यह है कि केवल नाम परिवर्तन का अर्थ यह नहीं है कि निर्यातक में कोई परिवर्तन है। इसकी पुष्टि डी जी टी आर द्वारा सभी संगत कारकों पर विचार करने के बाद दिनांक 31 दिसंबर, 2018 की अपनी पूर्व संशोधन अधिसूचना के पैरा 11 में की गई थी।
- (vi) तदनुसार, डी जी टी आर के पूर्व निर्धारण के मद्देनजर डी जी टी आर को दिनांक 12 फरवरी, 2019 सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 08/2019-सीमा शुल्क (एडीडी) और दिनांक 12 फरवरी, 2019 की अधिसूचना संख्या 09/2019 के साथ पठित दिनांक 11 दिसंबर, 2015 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) में नाम परिवर्तन लागू करने के लिए विशेष रूप से वित्त मंत्रालय को सिफारिश करते हुए वर्तमान संशोधन अधिसूचना जारी करनी चाहिए। विशिष्ट लोप के परिणामस्वरूप यह उल्लेख करने के लिए कि पूर्व अधिसूचना कंपनी के नाम में परिवर्तन की तारीख से लागू की जाएगी, हमारे ग्राहकों के दैनिक प्रचालनों में कई व्यावहारिक कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं और सीमा शुल्क विभाग के पूरा शुल्क देने के लिए जोर पर परिहार्य दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। तदनुसार, कंपनी के नाम परिवर्तन की तारीख से कंपनी के नाम में परिवर्तन को अधिसूचित करने की तत्काल आवश्यकता है।

9. घरेलू उद्योग द्वारा लिखित अनुरोध

- (i) नाम परिवर्तन स्वामित्व परिवर्तन है : निर्यातक नाम परिवर्तन के लिए प्राधिकारी के समक्ष दूसरी बार आ रहा है। पहली बार में, कंपनी का नाम देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन से पोसको देवू में बदला। यह केवल नाम परिवर्तन का मामला नहीं था, बल्कि कानूनी संरचना और स्तर में परिवर्तन शामिल था। निर्यातक ने यह दर्शाने के लिए रिकार्ड में कोई दस्तावेज नहीं रखा कि यह केवल नाम परिवर्तन का मामला था और कंपनी की कानूनी संरचना और स्तर में कोई परिवर्तन नहीं था। चूंकि पहला नाम परिवर्तन पर्याप्त स्वयं से सिद्ध नहीं हुआ है और चूंकि दूसरा परिवर्तन पहले परिवर्तन के परिणामस्वरूप बाद की स्थिति है। अतः आवेदकों द्वारा सभी संभव सूचना दिए बिना; घरेलू उद्योग को उस सूचना पर टिप्पणी करने का अवसर मिले बिना और प्राधिकारी के उस सूचना की परिशुद्धता एवं पर्याप्तता के संबंध में संतुष्ट हुए बिना वर्तमान अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।
- (ii) देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन और पोसको देवू कारपोरेशन तथाकथित नाम परिवर्तन से पूर्व विद्यमान थे। यह संदेह करने का पर्याप्त कारण है कि दो कंपनियां, जिन्होंने केवल नाम परिवर्तन का दावा किया है, तथाकथित नाम परिवर्तन से पूर्व मौजूद थीं। यह दर्शाने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है कि ये कंपनियां पहले विद्यमान नहीं थीं। देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन और पोसको देवू वर्ष 2000 और 2015 में विद्यमान थीं। यह विश्वास करना कठिन है कि कंपनी ने 2016 में केवल नाम परिवर्तन किया। यह सिद्ध करना निर्यातक का दायित्व है कि स्वामित्व में कोई परिवर्तन नहीं था और केवल नाम परिवर्तन ही था।
- (iii) तीन भिन्न आवेदन पत्रों में विरोधाभासी दावे किए गए हैं : आवेदक द्वारा तीन भिन्न आवेदन पत्रों (दो वर्तमान आवेदन पत्र और पूर्व आवेदन पत्र) में किए गए दावों के संदर्भ में यह देखा जाता है कि तथाकथित परिवर्तन के लिए कारणों के संबंध में किए गए दावों में कोई संगतता नहीं है। यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि आवेदक उस स्थिति में नाम परिवर्तन की मांग करने के लिए भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं जब वास्तव में स्वामित्व में परिवर्तन है।

10. मै० पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन (आवेदक/निर्यातक) द्वारा प्रत्युत्तर अनुरोध

- (i) पूर्व के नाम परिवर्तन का प्राधिकारी ने भी सत्यापन किया था जो दिनांक 31.12.2018 की अपनी संशोधन अधिसूचना द्वारा स्पष्ट जांच परिणाम पर पहुंचे, वह भी निर्यातक के रिकार्ड के सत्यापन पर। आमेलन और विलयन के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध बिना औचित्य के थे और इसीलिए "अनुरोध केवल नाम परिवर्तन का है और यह कि स्वामित्व के शेयरधारिता पैटर्न के कोई परिवर्तन नहीं है जो निर्यातक के व्यापारिक प्रचालनों की आधारभूत प्रकृति को नहीं बदलता"।
- (ii) दिनांक 31.12.2018 की संशोधन अधिसूचना में प्राधिकारी के उपर्युक्त जांच परिणाम को घरेलू उद्योग ने चुनौती नहीं दी है। यद्यपि उसके विरुद्ध वे अपील दायर कर सकते थे। अतः उपर्युक्त जांच परिणाम को घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है और पक्षकारों में परस्पर अंतिम रूप प्राप्त किया है। अतः मुद्दे के विबंध के कारण घरेलू उद्योग इन कार्यवाहियों में पुनः समान मुद्दों को पुनः पृष्ठांकन कर इन जांच परिणामों पर कलंक लगाने से अलग है।
- (iii) घरेलू उद्योग का यह अनुरोध कि वर्तमान मामला नाम परिवर्तन के संदर्भ में ही नहीं है, बल्कि कंपनी की कानूनी संरचना और स्तर से संबंधित भी है, भी रद्द किए जाने योग्य है, क्योंकि इस जांच परिणाम पर पहुंचने के पूर्व उदाहरण में प्राधिकारी द्वारा उन्हीं दस्तावेजों पर विश्वास किया गया था कि यह केवल नाम परिवर्तन का मामला था न कि कानूनी संरचना अर्थात् संबंधित कर प्राधिकारियों द्वारा जारी व्यापार पंजीकरण प्रमाण पत्र तथा वाणिज्यिक रजिस्ट्री का प्रमाण पत्र वर्तमान मामले में भी पोसको इंटरनेशनल द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं।
- (iv) वाणिज्यिक दृष्टि का प्रमाण पत्र पूर्व नामों को बाहर करना और पूर्व नाम के स्थान पर नया नाम प्रतिस्थापित करना स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त प्रमाण पत्र यह भी दर्शाता है कि नाम में अंतिम संशोधन कब किया गया था जो पूर्व जांच परिणाम के अनुरूप है कि "निर्यातक का नाम अर्थात् मै० देवू

इंटरनेशनल कारपोरेशन 31.12.2018 की संशोधन अधिसूचना में प्राधिकारी द्वारा 12.3.2016 से पोसको देवू कारपोरेशन में बदल दिया गया है”/

- (v) वेबसाइट- <http://www.poscointl.com/eng/auditReport.do> में उपलब्ध प्रकाशित वार्षिक रिपोर्टों में दिए गए अनुसार 2017-18 के लिए और 2019 की प्रथम तिमाही के लिए तिमाही रिपोर्ट में 2019 के लिए शेयरधारिता पर्यटन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कंपनी की संरचना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
- (vi) जहां घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है कि निर्यातक ने यह दर्शाने के लिए कोई दस्तावेज नहीं रखे हैं कि केवल नाम परिवर्तन था और कंपनी की संरचना में कोई परिवर्तन नहीं था, कंपनी ने आवेदन पत्रों के साथ संगत दस्तावेज प्रस्तुत किए जैसा कि लिखित अनुरोधों में भी उल्लेख किया गया है। पूर्व वर्षों के लिए वार्षिक रिपोर्ट तथा 2019 की प्रथम तिमाही के लिए तिमाही रिपोर्ट के साथ उपर्युक्त दस्तावेज भी स्पष्ट रूप से यह भी सिद्ध करते हैं कि कंपनी की संरचना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और केवल नाम में परिवर्तन हुआ है।
- (vii) पोसको इंटरनेशनल द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों को घरेलू उद्योगों ने सही परिप्रेक्ष्य में नहीं माना है। आवेदन पत्र के साथ व्यापारिक पंजीकरण के दो प्रमाणपत्र दिए गए हैं जिस पर घरेलू उद्योग ने संदेह उठाए हैं कि वे दो भिन्न जिलों से संबंधित हैं। जहां कंपनी ने अपने कार्यालय पंजीकृत किए हैं और पंजीकरण की तारीख संबंधित कार्यालयों की स्थापना का संदर्भ देता है। यह नोट किया जाए कि यह समान तर्क घरेलू उद्योग द्वारा देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन से पोसको देवू कारपोरेशन में कंपनी का पूर्व नाम परिवर्तन के संबंध में पूर्व कार्यवाहियों के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उठाया गया था और प्राधिकारी द्वारा जारी दिनांक 31.12.2018 की संशोधन अधिसूचना में भी उसे रिकार्ड किया गया था। इसके अतिरिक्त, देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन से पोसको देवू कारपोरेशन में नाम परिवर्तन के संबंध में पूर्व कार्यवाहियों के दौरान प्रस्तुत दो “व्यापारिक पंजीकरण प्रमाणपत्र” में दर्शाए गए व्यापार पंजीकरण और व्यापार शुरू करने की तारीखें स्पष्ट रूप से आवेदन पत्र के साथ संलग्न नाम देवंग जिला कर कार्यालय और नामिनचेन जिला कर कार्यालय द्वारा जारी वर्तमान व्यापार पंजीकरण प्रमाणपत्रों के स्पष्ट रूप से अनुरूप हैं।
- (viii) इस बात पटुता कि “पर्याप्त कारण हैं” में उलझने के अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने वास्तव में यह संदेह करने के लिए कोई काम वास्तव में प्रस्तुत नहीं किया है कि पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन 18.03.2019 से पूर्व विद्यमान था।
- (ix) घरेलू उद्योग के इस दावे के संबंध में कि “यह दर्शाने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है कि ये कंपनियां पूर्व विद्यमान नहीं थीं”, संभवतः यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि यह दर्शाने वाले दस्तावेज कि पोसको इंटरनेशनल के नाम वाली कंपनी 18.03.2019 से पूर्व विद्यमान नहीं थी, प्रस्तुत किया जा सकता है, क्योंकि यह नकारात्मक तथ्य है। यह कानून का मूल सिद्धांत है कि तथ्यों की गैर मौजूदगी का दावा करने वाले व्यक्ति से उसे सिद्ध करने के साक्ष्य के लिए नहीं कहा जा सकता। कानून यह है कि जब व्यक्ति ने तथ्य की गैर मौजूदगी का दावा किया हो, तो उसका विरोधाभास करने की मांग करने वाले उत्तरदाता/बचावकर्ता को ऐसे तथ्यों की मौजूदगी के संबंध में सकारात्मक साक्ष्य देने होते हैं।
- (x) पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन कोरिया एक्सचेंज (के आर एक्स) में एक सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी है और इस प्रकार पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन के संबंध में सूचना सार्वजनिक पटल पर तैयार रूप में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, कोरिया गणराज्य में प्रतिभूति संबंधी कानून अर्थात् प्रतिभूति एवं विनिमय अधिनियम के अनुच्छेद 89 और अनुच्छेद 186 तथा प्रतिभूति एवं विनिमय अधिनियम की प्रवर्तन डिक्री के अनुच्छेद 83 में भी कानूनी संरचना, स्तर, शेयरधारिता का प्रकटन अनिवार्य रूप से अपेक्षित है।
- (xi) यद्यपि घरेलू उद्योग ने आरोप लगाया है कि पोसको इंटरनेशनल द्वारा किए गए दावे तीन आवेदन पत्रों में भिन्न

भिन्न रहे हैं, घरेलू उद्योग यह सिद्ध करने में और उन विसंगतियों तथा दिनांक 21.05.2019 के वर्तमान आवेदन पत्र और पूर्व आवेदन पत्रों के बीच विसंगतियों का उल्लेख करने में विफल रहा है और केवल बागपटुता में लगा रहा है।

- (xii) पोसको इंटरनेशनल का अनुरोध है कि नाम के परिवर्तन के कारणों में कोई विसंगति नहीं है। कंपनी ने अपना नाम कंपनी की समान ब्रांडिंग की मांग करने की दृष्टि से और पोसको के साथ संबद्ध नाम की सद्भावना की दृष्टि से बदला है। पूर्वाग्रह के बिना ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है कि कंपनी अपने नाम परिवर्तन की मांग नहीं कर सकती और वस्तुतः कंपनी के नाम में परिवर्तन करते समय कोई औचित्य दिए जाने की आवश्यकता नहीं है। कंपनी किसी भी कारण से अपना नाम बदलने के लिए स्वतंत्र है और कई बार अपना नाम बदल सकती है जैसा कि वह अपनी वैध हितों की सुरक्षा के लिए उचित समझे।

11. घरेलू उद्योग द्वारा दायर प्रत्युत्तर अनुरोध

- (i) निर्यातक ने पोसको देवू के अपनी सहायक कंपनी पोसको प्रोसेसिंग एंड सर्विस के साथ 1 मार्च, 2017 से आवेदन के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया है। विलयन स्टील व्यापार, प्रसंस्करण और स्कैपिंग में सीधे ही लग कर कोरिया में तथा वैश्विक बाजार में स्टीम वितरण चैनलों को सरल बनाने के उद्देश्य से किया गया है। 2016 में नाम परिवर्तन के बाद पोसको देवू का मार्च, 2017 में पोसको पी एंड एस में विलय हो गया। विलय के बाद कंपनी शेयरधारिता पैटर्न प्रदत्त पूंजी आदि में परिवर्तन के साथ पूरी तरह से नई कंपनी बन गई। निर्यातक ने केवल अपना नाम नहीं बदला, बल्कि पूरा शेयरधारिता संयोजन भी बदल दिया है। उपर्युक्त विलयन रिकार्ड में नहीं लाया गया था जो तथ्यों को छुपाना बनता है।
- (ii) कर प्राधिकारी द्वारा जारी व्यापार प्रमाणपत्र और बोर्ड का संकल्प नाम में परिवर्तन का अपर्याप्त प्रमाण हैं। यह दर्शाने के लिए कोई दस्तावेजी साक्ष्य नहीं है कि स्वामित्व और कानूनी स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं है।
- (iii) कंपनी द्वारा इसका कोई कानूनी आधार नहीं दिया गया है कि नाम में यह परिवर्तन पूर्व प्रभावी आधार पर क्यों लागू नहीं किया जाना चाहिए।

12. मै. पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन (आवेदक/निर्यातक) द्वारा प्रत्युत्तर

क.

- (i) घरेलू उद्योग ने प्रत्युत्तर अनुरोधों में नए मुद्दे उठाए हैं, जो प्रत्युत्तर की विषयवस्तु के संबंध में विशेष रूप से जारी 2007 की व्यापार सूचना संख्या 01 में निर्धारित अधिदेश के विरुद्ध हैं। लिखित अनुरोधों में घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे भी थे (i) नाम का परिवर्तन स्वामित्व का परिवर्तन है; (ii) देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन और पोसको देवू कारपोरेशन तथाकथित नाम परिवर्तन से पूर्व विद्यमान थे; और (iii) तीन भिन्न आवेदन पत्रों में विरोधाभासी दावे किए गए। तथापि, पोसको पी एंड एस कंपनी के इस्पात व्यापार प्रभाग का पोसको इंटरनेशनल के साथ छोटे पैमाने के विलय के तथ्य के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विश्वास और उसको तथाकथित रूप से छिपाना स्पष्ट रूप से एक नया मुद्दा और तर्क है, जो प्रत्युत्तर अनुरोधों के स्तर पर पहली बार उठाया गया है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत उदाहरण वर्ष 2017 के लिए स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट से हैं, जो पहले ही सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध थीं और इसका कोई कारण नहीं है कि उपर्युक्त तथ्य लिखित अनुरोधों में उल्लिखित क्यों नहीं किया जा सका।
- (ii) रचनात्मक न्याय का सिद्धांत वर्तमान जांच सहित सिविल कार्यवाहियों पर लागू होता है। अतः घरेलू उद्योग इस मुद्दे को उठाने के लिए अब स्वतंत्र नहीं हैं, क्योंकि वह पूर्व नाम परिवर्तन के आवेदन पत्र में उनके द्वारा उठाया जा सकता था और उठाया जाना चाहिए था।

- (iii) पोसको इंटरनेशनल और पोसको पी एंड एस (तत्कालीन पोसको देवू कारपोरेशन) के इस्पात व्यापार प्रभाग के बीच विलयन एक छोटे पैमाने का ही विलयन था जिसके परिणामस्वरूप पोसको इंटरनेशनल के व्यापारिक प्रचालनों की आधारभूत प्रकृति में कोई बदलाव नहीं आया।
- (iv) चूंकि, पोसको देवू कारपोरेशन अथवा पोसको इंटरनेशनल में नाम परिवर्तन स्वामित्व की संरचना में परिवर्तन अथवा विलय/अनामेलन/ अधिग्रहण, पी एंड एस के इस्पात एवं व्यापार प्रभाग का पोसको इंटरनेशनल आमेलन के तथ्य के कारण नहीं था। अतः उसका उल्लेख किए जाने की आवश्यकता नहीं थी। उपर्युक्त तथ्य उल्लिखित न करना किसी भी परिस्थिति में छुपाना नहीं हो सकता, क्योंकि वह महत्वपूर्ण तथ्य नहीं है। इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त तथ्य जब वह हमेशा सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध रहा है तथा आरंभ से उसकी वेबसाइट पर उपलब्ध रहा है। यह तथ्य कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना घरेलू उद्योग की जानकारी ने बहुत देर से अर्थात् उस सूचना प्रकाशित होने के दो वर्ष बाद आई और सभी के लिए उपलब्ध हैं, पोसको इंटरनेशनल की ओर से छुपाए जाने की बात नहीं बनती।
- (v) पोसको पी एंड एस ने किसी भी समय भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात नहीं किया है और इसीलिए उसके इस्पात व्यापार प्रभाग का पोसको इंटरनेशनल में विलय का कोई संबंध नहीं है, जहां तक संबद्ध सामानों पर पाटनरोधी जांच का संबंध है।
- (vi) यह तथ्य कि पोसको पी एंड एस, पोसको इंटरनेशनल (पोसको देवू कारपोरेशन संगत समय पर पोसको देवू कारपोरेशन) में संबद्ध कंपनी थी, प्रवंचनारोधी जांच प्रक्रिया के दौरान उसके द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में संगत स्थान पर उल्लिखित किया गया था। उपर्युक्त प्रश्नावली की प्राधिकारी द्वारा विधिवत जांच की गई थी और सत्यापित किया गया था।
- (vii) यह आरोप कि इतने छोटे स्तर विलय से कंपनी पूरी तरह से एक नई कंपनी बन गई, बिना किसी आधार के है और पोसको इंटरनेशनल ने पहले ही इंचियान तथा नामदेमम जिला कर प्राधिकारियों द्वारा जारी वाणिज्यिक रजिस्ट्री प्रमाणपत्र तथा व्यापार पंजीकरण प्रमाणपत्र जैसे साक्ष्य के साथ लिखित तथा प्रत्युत्तर अनुरोधों दोनों में उसे पर्याप्त रूप से हल किया है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्व के नाम परिवर्तन के आवेदन पत्र में अपने निर्धारण में स्वीकार भी किया है। पूर्व वर्षों की वार्षिक रिपोर्टों और 2019 की पहली तिमाही की तिमाही रिपोर्ट के साथ मिलाकर उपर्युक्त दस्तावेज स्पष्ट रूप से सिद्ध करते हैं कि कंपनी की संरचना में कोई परिवर्तन नहीं आया है और केवल नाम में ही परिवर्तन ही हुआ है।
- (viii) पोसको इंटरनेशनल की मूल शेयरधारिताएं में कभी भी परिवर्तन नहीं हुए और उपर्युक्त विलय से पूर्व तथा बाद में वे समान रहे हैं। अधिकतर शेयरधारक के दावे में वृद्धि इस प्रकार के विलय का आवश्यक परिणाम है। इस वृद्धि का अपने आप में यह अर्थ नहीं है कि पूरा शेयरधारिता पैटर्न बदल गया है। पोसको इंटरनेशनल यह समझने में विफल रहता है कि घरेलू उद्योग उस समय स्वामित्व और कानूनी स्तर में परिवर्तन का आरोप कैसे लगा सकता है जब शेयरधारिता पैटर्न नाम में परिवर्तन से पूर्व और उसके बाद समान रहा है।
- (ix) घरेलू उद्योग कंपनी की पहचान में परिवर्तन के संबंध में उपर्युक्त आरोप को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य देने में सक्षम नहीं रहा है और केवल उसमें विलंब करने के लिए इन कार्यवाही प्रक्रियाओं में निरंतर तथ्य और कानून का गलत विवरण देने में ही लगा रहा।
- (x) किसी गोलमाल उत्तर का कोई प्रश्न नहीं है जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा आरोप लगाया गया है। पोसको इंटरनेशनल द्वारा निश्चित संदर्भ में यह उल्लेख किया गया था कि कानूनी स्थिति और शेयरधारिता पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं है। सभी उत्तर प्राधिकारी को सुनवाई के दौरान दिए गए थे। यह आरोप कि पोसको इंटरनेशनल को पूर्व निर्णायक समीक्षा की जांच अवधि अर्थात् 1 जनवरी, 2013 से 31 दिसंबर, 2013 के संबंध में यह स्पष्ट करना अपेक्षित था, तथ्यों का गलत विवरण है और घरेलू उद्योग द्वारा मनगढ़ंत। यदि ऐसी किसी सूचना की आवश्यकता थी तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमवाली, 1995 के नियम 6(4) के तहत उसके

लिए मांग करते हुए सूचना जारी की होती। किसी भी दशा में पोसको इंटरनेशनल ने अपने लिखित और प्रत्युत्तर अनुरोधों दोनों में स्पष्ट किया था कि पोसको इंटरनेशनल के स्वामित्व और कानूनी संरचना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

- (xi) नाम परिवर्तन के पूर्व प्रभावी आवेदन पत्र के लिए कानूनी आधार इस तथ्य पर विचार करते हुए न्याय समानता और उपयुक्तता के आधारभूत सिद्धांतों के संबंध में पाया जाना है कि उसे निर्णायक समीक्षा तथा प्रवंचनारोधी जांच के अनुसरण में शुल्क की अलग दर प्रदान की गई थी जो केवल नाम परिवर्तन का मामला होने पर शुल्क लगाए जाने की पूरी अवधि में उसी कंपनी पर निरंतर लागू किया जाना चाहिए।

ख. पोसको ए एस टी का पोसको पी एंड एस में विलय के संबंध में दिनांक 17.10.2019 के पत्र के माध्यम से प्राधिकारी द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण का उत्तर ।

- (i) पोसको पी एंड एस का पोसको ए एस टी में विलय जुलाई, 2016 में हुआ जबकि पोसको पी एंड एस का विलय पोसको देवू में 1 मार्च, 2017 में हुआ। विलय के बाद पोसको ए एस टी एक पृथक कानूनी कंपनी नहीं रही है। इसके अतिरिक्त, पोसको ए एस टी का पोसको पी एंड एस में विलय पोसको पी एंड एस के पोसको देवू में विलय से काफी पहले हुआ। इन दोनों विलय के बाद यह हुआ कि कंपनी ने देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन से अपने पहले नाम को पोसको देवू कारपोरेशन में बदलने के लिए आवेदन किया। प्राधिकारी ने 31 दिसंबर, 2018 की संशोधन अधिसूचना द्वारा उपर्युक्त अनुरोध की अनुमति दी थी और नाम पोसको देवू कारपोरेशन में बदल दिया गया था। इस प्रकार पोसको ए एस टी के साथ विलय, जो पूर्व नाम बदलने के आवेदन से पूर्व हुआ, से संबंधित मुद्दा हल कर दिया गया है।
- (ii) दिनांक 31 दिसंबर, 2018 की संशोधन अधिसूचना के बाद तथा 18 मार्च, 2019 को पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन का नाम पोसको देवू कारपोरेशन में बदल जाने के बाद संबद्ध उत्पाद- कोल्ड राल्ड स्टेनलेस स्टील के संबंध में कंपनी के क्रियाकलापों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है तथा पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन (पूर्व में पोसको देवू कारपोरेशन) भारत ने संबद्ध सामानों का निर्यातक ही बना हुआ है।
- (iii) मूल जांच के दौरान पोसको ए एस टी स्क्रेप का आपूर्तिकर्ता ही था और विनिर्माता – पोसको कारपोरेशन को कच्ची सामग्री के आपूर्ति में लगा हुआ था। उपर्युक्त तथ्य प्राधिकारी द्वारा की गई प्रवंचनारोधी जांच के दौरान प्राधिकारी की जानकारी में भी लाया गया था जिसमें कंपनी ने अपना प्रश्नावली का उत्तर दायर किया था प्रश्नावली के उत्तर में कंपनी ने विचाराधीन उत्पाद में शामिल सभी संबंधित कंपनियों के व्यौरों उपलब्ध कराये।
- (iv) संगत अवधि के दौरान न तो पोसको पी एंड एस और न ही पोसको ए एस टी भारत में संबद्ध सामानों के निर्यातों अथवा विनिर्माण में शामिल नहीं थे। पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन और भारत में संबद्ध सामानों में निर्यातों में शामिल उसके सभी निर्यातकों का प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया था और विधिवत रिकार्ड किया गया था।
- (v) पोसको ए एस टी ने किसी भी समय संबद्ध सामानों, जो भारत को निर्यात किए गए थे, का उत्पादन नहीं किया। इस प्रकार केवल यह तथ्य कि पोसको ए एस टी पूर्व में स्टेनलेस स्टील के फ्लैट उत्पादों का उत्पादक रहा है, वर्तमान नाम परिवर्तन के आवेदन पत्र में कोई संबंध नहीं है, क्योंकि दोनों उत्पाद एक दूसरे से भिन्न हैं।
- (vi) संगठन के व्यापारिक स्वरूप और पोसको देवू कारपोरेशन की स्वामित्व संरचना के संबंध में पोसको ए एस टी के साथ उपर्युक्त विलय के प्रभाव के संबंध में यह बात पुनः दोहराई जाती है कि पोसको ए एस टी का पोसको पी एंड एस में विलय हुआ और उसके बाद पृथक कंपनी नहीं रही। बाद में पोसको पी एंड एस का पोसको देवू कारपोरेशन में विलय हो गया। उपर्युक्त से यह भी नोट किया जाए कि 2015 के दौरान मूल कंपनी के रूप में पोसको के पोसको देवू (अब पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन में ज्ञात) में 60.31 प्रतिशत शेयर थे और पोसको पी एंड एस में 95.31 प्रतिशत थे। विलय के बाद मूल कंपनी के रूप में पोसको के अब पोसको इंटरनेशनल

कारपोरेशन में 62.9 प्रतिशत शेयर हैं। 2015 और वर्तमान अवधि के बीच शेयरों में 2.6 प्रतिशत की स्वल्प वृद्धि पोसको पी एंड एस के पोसको देवू में विलय के कारण ही है। इस प्रकार पोसको ए एस टी के पोसको पी एंड एस में विलय के मद्देनजर पोसको देवू (अब पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन) की शेयरधारिता और स्वामित्व संरचना पर कोई प्रभाव नहीं रहा है।

- (vii) अतः पोसको पी एंड एस के पोसको ए एस टी में विलय तथा पोसको पी एंड एस के पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन में विलय का कोल्ड राल्ड स्टील के आयातों पर पाटनरोधी जांच में कोई बाधा नहीं है और परिणामस्वरूप वर्तमान नाम परिवर्तन के आवेदन पत्र में कोई अड़चन नहीं है।

13. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है।

घ. प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै० पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन ने पोसको देवू कारपोरेशन से नाम पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन में बदलने के परिणामस्वरूप वर्तमान आवेदन पत्र दायर किया है। इस अनुरोध कि समर्थन में आवेदक ने निम्नलिखित दस्तावेज उपलब्ध कराये हैं, जिनकी प्राधिकारी ने आवश्यक सीमा तक जांच की है।

क. नामदेमम जिला कर प्राधिकारी द्वारा जारी दिनांक 26 मार्च, 2019 का व्यापार पंजीकरण प्रमाणपत्र।

ख. नामदेमम जिला कर प्राधिकारी द्वारा जारी दिनांक 22 मार्च, 2019 का व्यापार पंजीकरण प्रमाणपत्र।

ग. दिनांक 19 मार्च, 2019 का वाणिज्यिक रजिस्ट्री प्रमाणपत्र

घ. पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन में ने नाम बदलने के संबंध में कंपनी द्वारा पारित दिनांक 18 मार्च, 2019 का बोर्ड संकल्प।

ङ. पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन का आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन।

च. वर्ष 2017 और 2018 के लिए पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन का वित्तीय विवरण।

छ. अंग्रेजी में विधिवत अनूदित पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन की 31 मार्च, 2019 को समाप्त पहली तिमाही के लिए तिमाही रिपोर्ट के संगत उदाहरण।

15. वर्तमान आवेदन पत्र से पूर्व आवेदक का नाम देवू इंटरनेशनल कॉरपोरेशन से बदल कर पोसको देवू कारपोरेशन रखा गया था। आवेदक ने अपना नाम देवू इंटरनेशनल कॉरपोरेशन से पोसको देवू कॉरपोरेशन में संशोधित करने के लिए डी जी टी आर को दिनांक 12 नवंबर, 2018 को एक आवेदन पत्र दिया। प्राधिकारी ने उपर्युक्त अनुरोध पर विचार किया और दिनांक 31 दिसंबर, 2018 की एक संशोधन अधिसूचना जारी की जिसमें डी जी टी आर ने नाम को "पोसको देवू कारपोरेशन" में बदलने का स्वीकार किया।

16. नाम परिवर्तन के लिए अनुरोध स्वीकार करने में प्राधिकारी ने अपनी 31 दिसंबर, 2018 की संशोधन अधिसूचना में निम्नलिखित निष्कर्ष निकाला :

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का यह अनुरोध कि यह एक आमेलन का मामला है/विलयन का सत्यापन कंपनी रजिस्टर तथा आवेदक निर्यातक द्वारा प्रस्तुत पंजीकरण प्रमाण पत्र के रिकार्ड के अनुसार किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित प्रमाण पत्र पूर्व के देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन की शाखा कार्यालय स्थापना से संबंधित है जैसा कि शाखा कार्यालय के उन्हीं व्यौरों का उल्लेख करते हुए मै० देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन को जारी दिनांक 20.01.2015 के व्यापारिक पंजीकरण प्रमाण पत्र से भी सह संबंध किया गया है। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि अनुरोध केवल नाम परिवर्तन का है और यह कि स्वामित्व के शेयरधारिता पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं है जो निर्यातक के व्यापारिक प्रचालनों की आधारभूत प्रकृति में कोई बदलाव नहीं लाता।

11. सभी पहलुओं पर विचार करने पर, प्राधिकारी मानते हैं कि निर्यातक अर्थात् मै० देवू इंटरनेशनल का नाम 14.03.2016 से पोसको देवू कारपोरेशन में बदल गया है। इस प्रकार देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन और पोसको देवू कारपोरेशन समान कंपनियां हैं।

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में भी पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन और पोसको देवू कारपोरेशन की वही आवासीय (कारपोरेशन) पंजीकरण संख्या है और नाम में परिवर्तन कंपनी रजिस्टर तथा संबंधित कर प्राधिकारी द्वारा जारी व्यापारिक पंजीकरण प्रमाण पत्र में भी दर्शाया गया है।
18. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदक द्वारा दिया गया वाणिज्यिक रजिस्ट्री प्रमाण पत्र पूर्व नाम को स्पष्ट रूप से बाहर करता है और पूर्व नाम के स्थान पर नया नाम पोसको इंटरनेशनल कॉरपोरेशन रखता है। उपर्युक्त प्रमाण पत्र पूर्व नाम को देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन से नए नाम में परिवर्तन की तारीख अर्थात् 14 मार्च, 2016 को वैध करता है, जिसे प्राधिकारी द्वारा अपने दिनांक 31 दिसंबर, 2018 के पूर्व जांच परिणाम में भी नोट किया गया है।
19. प्राधिकारी पोसको ए एस टी और पोसको पी एंड एस के विलय के संबंध में निर्यातक के उत्तर को नोट करते हुए यह पाते हैं कि इस स्तर पर प्रश्नगत विलय के संबंध में संगत तथ्य निम्नलिखित हैं :

क. पोसको का पोसको पी एंड एस में 93.96 प्रतिशत था।

ख. पोसको का पोसको देवू कारपोरेशन में भी 60.31 प्रतिशत था।

ग. पोसको पी एंड एस के इस्पात व्यापार प्रभाग का पोसको देवू कारपोरेशन में विलय किया गया था।

घ. पोसको पी एंड एस के इस्पात व्यापार प्रभाग के पोसको देवू कारपोरेशन में उपर्युक्त विलय के परिणामस्वरूप पोसको देवू कारपोरेशन में पोसको की शेयरधारिता 60.31 प्रतिशत से बढ़कर 62.90 प्रतिशत हो गई।

ङ. पोसको पी एंड एस का अपने अन्य व्यापार का प्रचालन करना जारी है।

20. आवेदक द्वारा दावा किए गए नाम परिवर्तन के बाद की अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए कंपनी की शेयरधारिता की जांच करने के बाद वर्ष 2017 एवं 2018 के लिए प्रकाशित वार्षिक रिपोर्टों तथा 31 मार्च, 2019 को समाप्त पहली तिमाही के लिए तिमाही रिपोर्ट के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी की शेयरधारिता में नाम परिवर्तन से पूर्व तथा नाम परिवर्तन के बाद संरचना में कोई भारी परिवर्तन नहीं हुआ है।

ड.. निष्कर्ष और सिफारिश

21. सभी पहलुओं पर विचार करने पर प्राधिकारी मानते हैं कि निर्यातक अर्थात् पोसको देवू कारपोरेशन का नाम 18.3.2019 से पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन में बदल दिया गया है। इस प्रकार पोसको देवू कारपोरेशन और पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन समान कंपनियां हैं।
22. उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी दिनांक 18 अगस्त, 2017 के प्रवंचनारोधी जांच के परिणाम के अनुसरण में तदनुरूपी दिनांक 12 फरवरी, 2019 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 08/2019-सीमा शुल्क (एडीडी) और दिनांक 12 फरवरी, 2019 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 09/2019 –सीमा शुल्क (एडीडी) सहित दिनांक 12 अक्टूबर, 2015 की निर्णायक समीक्षा जांच परिणाम 15/04/2014-डीजीएडी और 24 अक्टूबर, 2017 की अधिसूचना संख्या 52/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) के अनुसरण में दिनांक 11 दिसंबर, 2015 की तदनुरूपी सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) में निम्नलिखित रूप में संशोधनों की सिफारिश करते हैं।

क. निम्नलिखित में "पोसको देवू कारपोरेशन" के स्थान पर "पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन" शब्द प्रतिस्थापित करें :

1. दिनांक 31 दिसम्बर, 2018 की अधिसूचना संख्या 15/4/2014-डीजीएडी के माध्यम से यथासंशोधित दिनांक 12/10/2015 के अंतिम जांच परिणाम संख्या 15/4/2014 के पैरा 196 के तहत शुल्क तालिका।

2. दिनांक 11 दिसम्बर, 2015 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) (दिनांक 12 फरवरी, 2019 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या (8/2019-सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा यथासंशोधित)।

ख. प्रवंचनारोधी जांच, जिसका अंतिम जांच परिणाम सं. 14/1/2014-डीजीएडी, दिनांक 18.8.2017 को जारी किया गया था, में प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम के पैरा 111 में दिनांक 18.8.2017 की अधिसूचना संख्या 14/1/2014-डीजीएडी में माने गए जांचाधीन उत्पाद पर दिनांक 11.12.2015 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) और दिनांक 12.2.2019 की तदनुसूची सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 8/2019-सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा लगाए पाटनरोधी शुल्क को बढ़ाने की सिफारिश की। दिनांक 24.10.2017 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 52/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) में दिनांक 31.12.2018 की अधिसूचना संख्या 14/1/2014-डीजीएडी के आधार पर दिनांक 12.2.2019 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 9/2019-सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्यम से संशोधन किया गया था।

ग. दिनांक 24 अक्टूबर, 2017 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 52/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) (दिनांक 12 फरवरी, 2019 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 9/2019-सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा यथासंशोधित) में "देवू इंटरनेशनल कारपोरेशन" के स्थान पर "पोसको इंटरनेशनल कारपोरेशन" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएं।

23. इस आदेश के कारण केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद एवं सेवा कर अपील अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सुनील कुमार, विशेष सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

AMENDMENT NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 2019

Subject : Anti-Dumping investigation concerning imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel originating in or Exported from China PR, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA – Amendment to Notification No. 15/4/2014-DGAD dated 31/12/2018 and Notification No. 61/2015-Customs (ADD) dated 11th February 2015 and 14/1/2014- DGAD dated 31st December 2018 and Notification No.52/2017-Customs (ADD) dated 24th October 2017.

F. No. 15/4/2014-DGAD—Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as "the Act") and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as "the Rules") thereof:

A. BACKGROUND

2. No. 15/4/2014-DGAD - Whereas having regard to the Act and Rules supra, the Designated Authority, in the Ministry of Commerce and Industry, Department of Commerce, Govt. of India, appointed under the Rules supra, (hereinafter referred to as "the Authority") notified its Final Findings on 12th October 2015 in respect of sunset review anti-dumping investigation concerning imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel (hereinafter referred to as

subject countries) from the People's Republic of China, Republic of Korea, the European Union, South Africa, Chinese Taipei, Thailand and the United States of America (hereinafter referred to as subject countries) as well as subsequent Anti-Circumvention investigation vide Notification No.14/1/2014-DGAD dated 18.08.2017 recommending imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries.

3. And whereas definitive anti-dumping duty was imposed on the subject goods in respect of above two investigations vide Customs Notification No.61/2015-Customs ADD dated 11th December 2015 and Customs Notification No. 52/2017-Customs (ADD) dated 24.10.2017.
4. And whereas M/s POSCO Daewoo Corporation requested for change of name of the exporter from M/s Daewoo International Corporation to M/s POSCO Daewoo Corporation in regard to the above investigation, in accordance with the Trade notice No. 12/2018 dated 17.9.2018. That pursuant to review, the Authority recommended correction in the Customs Notification No.61/2015-Customs ADD dated 11th December 2015 and Customs Notification No. 52/2017-Customs (ADD) dated 24.10.2017, to change the name of the exporter 'Daewoo International Corporation' to 'POSCO Daewoo Corporation'; through Customs Notification No. 8/2019-Customs ADD dated 12th February 2019 and in Customs Notification No. 9/2019-Customs ADD dated 12th February 2019 respectively.

B. PROCEDURE

5. On 22.05.2019, M/s POSCO International Corporation (previously known as "POSCO Daewoo Corporation" and prior to it as Daewoo International Corporation") filed a duly substantiated application requesting for change of name of the exporter from M/s POSCO Daewoo Corporation to M/s POSCO International Corporation in regard to the above investigation, in accordance with the Trade notice No. 12/2018 dated 17.9.2018.
6. Considering the nature of the request and in terms of Trade notice No. 12/2018 dated 17.9.2018, the Authority circulated the non-confidential version of the application to the interested parties and sought views on the same from interested parties, so that the request could be considered appropriately and need of undertaking a Mid Term Review (MTR) could be evaluated. Submissions made by interested parties have been considered by the Authority.
7. An oral hearing was conducted on 02.07.2019, wherein all the interested parties were given an opportunity to make their submissions. The interested parties were also required to file their written submissions and rejoinder submissions within the specified date. The submissions filed by the interested parties are summarized below:

C. SUBMISSIONS MADE BY INTERESTED PARTIES

8. Written submissions by M/s POSCO International Corporation (Applicant/exporter)

- (i) On 19th March 2019, POSCO International Corporation changed its name from POSCO Daewoo Corporation to '**POSCO INTERNATIONAL CORPORATION**' with a view to achieve uniform branding of the company across the world. In this regard, following documents has been attached with the application:
 - a. Certificate of Business Registration dated 26th March 2019 issued by Namdaemun District Tax Authority
 - b. Certificate of Business Registration dated 22nd March 2019 issued by Namincheon District Tax Authority
 - c. Certification of Commercial Registry dated 19th March 2019
 - d. Board Resolution dated 18th March 2019 passed by the company in respect of change of name to POSCO INTERNATIONAL CORPORATION.
 - e. Articles of Association of POSCO INTERNATIONAL CORPORATION
 - f. Financial Statements of POSCO INTERNATIONAL CORPORATION
- (ii) Despite the change of name to POSCO INTERNATIONAL CORPORATION, (a) both POSCO INTERNATIONAL Corporation and M/s Daewoo International Corporation have the same Resident (Corporation) registration number. Further; (b) the change in name is reflected in the Company Register as well as Certificate of Business registration issued by the concerned tax authority and; (c) there is no change in shareholding pattern of ownership and therefore there is no alteration to the basic nature of the business operations of the exporter.
- (iii) The Resident (Corporation) Registration number (110111-2137358) has remained the same throughout in all the certifications, that is, in Certificate of Business Registration dated 26th March 2019 issued by Namdaemun

District Tax Authority, Certificate of Business Registration dated 22nd March 2019 issued by INCHEON District Tax Authority and Certification of Commercial Registry dated 19th March 2019. Further, Certification of Commercial Registry filed previously with DGTR, when the name changed from Daewoo International Corporation to Posco Daewoo Corporation also states the same Registration Number – 110111-2137358.

- (iv) Company's shareholding has not undergone any change over the past 3 years, which establishes that the entity has remained the same throughout, regardless of the change of name.
- (v) After the change of name for the second time to POSCO International Corporation, the company has started receiving number of demand notices and enquiry letters from customs authorities demanding anti-dumping duty at 'all others rate of 13.44%' instead of 5.39% applicable to Daewoo International Corporation and subsequently to POSCO Daewoo Corporation. As a direct fall out of this, while the company was liable for anti-dumping duty of 5.39% for specific producer-exporter combination, however, now customs department is demanding anti-dumping duty at the rate of 13.44%. Thus, there exists an anomalous situation, wherein there exists a difference in the present name of the exporter vis-à-vis the name mentioned in the Customs Notification No. 61/2015-Customs (ADD) dated 11th December 2015 (as amended), however, fact remains that mere change of name does not mean that there is a change in the exporter, per-se. This was confirmed by DGTR in its previous amendment notification dated 31st December 2018 at para 11, after considering all the relevant factors.
- (vi) Accordingly, in view of the earlier DGTR determination, the present amendment notification should be issued by DGTR by specifically recommending to the Ministry of Finance to apply the name change in Customs Notification No. 61/2015-Customs (ADD) dated 11th December 2015 read with Customs Notification Nos. 08/2019-Customs (ADD) dated 12th February 2019 and 09/2019-Customs (ADD) dated 12th February 2019. As a result of specific omission to mention that the earlier notification will be applied from the date of change of name of entity, a lot of practical difficulties are arising in our client's day-to-day operations and are facing avoidable hardship due to customs departments' insistence on full duty instead. Accordingly, there is an urgent need to notify the change in the name of the company from the date of change of name of the entity.

9. Written submissions by Domestic Industry.

- (i) Change of name is change of ownership: The exporter is coming before the Authority for the second time for name change. In the first instance, the company's name changed from Daewoo International Corporation to POSCO Daewoo. This was not a case of mere name change but involved change in legal structure and status. The exporter has not placed any documents on record to show that it was a case of mere name change and there was no change in legal structure and status of the company. Since the first name change has not been adequately established, and since second change is a subsequent event consequent upon first change, the present request should not be accepted without applicants providing all relevant information; domestic industry getting opportunity to comment on such information and authority satisfying on accuracy and adequacy of such information.
- (ii) Daewoo International Corporation and POSCO Daewoo Corporation existed before the alleged name change: there is enough reason to suspect that the two entities who have claimed mere change of name existed before alleged change of name. There is no document to show that these entities did not exist before. Both Daewoo International Corporation and POSCO Daewoo existed in the year of 2000 and 2015. It is hard to believe that the company merely changed the name in 2016. The exporter has the onus to prove that there was no change of ownership and but was only name change.
- (iii) Contradictory claims have been made in three different applications: Referring to claims made by the applicant in three different applications (two present applications and the previous application), it is seen that there is no consistency in the claims made with regard to the reasons for the alleged change. This clearly establishes that the applicants are trying to create confusion in order to seek change of name in a situation where there is indeed a change in ownership.

10. Rejoinder submissions by the M/s POSCO International Corporation (Applicant/exporter)

- i. The earlier change in name was also verified by the Authority who arrived at a categorical finding vide its Amendment Notification dated 31.12.2018 that upon verification of the records of the exporter, the Domestic Industry's submissions regarding amalgamation and merger were without any merit and therefore, *"the request is of name change only and that there is no change in shareholding pattern of ownership which therefore do not alter the basic nature of business operations of the exporter"*
- ii. The above said findings of the Authority in the Amendment Notification dated 31.12.2018 have not been

challenged by the Domestic Industry though it was open for them to file an appeal against the same. Therefore, the said findings have been accepted by the Domestic Industry and have attained finality inter-se the parties. Therefore, by virtue of issue estoppel, the Domestic Industry is foreclosed from casting aspersions on such findings by repaginating the same issues again in these proceedings.

- iii. the submission of the Domestic Industry that the present case is not only in reference to name change but also relates to change in legal structure and status of the company is also liable to be rejected since the same documents that were relied upon by the Authority in the previous instance to come to the finding that it was only a case of name change and not legal structure i.e. the Certificate of Business registration issued by the concerned Tax Authorities as well as Certification of the Commercial Registry, have been provided by POSCO International in the present case as well.
- iv. Certification of the Commercial Registry clearly reveals the crossing out of previous names and replacement of the previous names with the new name. Further, the said certificate also demonstrates when the last amendment in the name was carried out which corresponds to the previous finding that “*the name of the exporter i.e. M/s Daewoo International Corporation has been changed to POSCO Daewoo Corporation with effect from 14.03.2016*” by the Authority in the Amendment Notification dated 31.12.2018.
- v. The shareholding pattern for 2017 and 2018 as provided in published annual reports available in website - <http://www.poscointl.com/eng/auditReport.do> and for 2019 in the quarterly report for first quarter of 2019 clearly indicates that there has been no change in the structure of the company.
- vi. As regards the submission of the Domestic Industry that exporter has not placed any documents to show that there was a mere name change and there was no change in the structure of the company, the company submitted the relevant documents along with the applications as also mentioned in the written submissions. The said documents combined with the annual report for previous years and quarterly report for first quarter of 2019 also clearly prove that the structure of the company has not undergone any change and that there has only been a mere change of name.
- vii. Documents submitted by the POSCO International have not been appreciated by the Domestic Industry in the correct perspective. The two certificates of business registration provided along with the application, on which domestic industry has raised doubts relate to two different districts where the company has registered its offices and the date of registration refer to setting up of the respective offices. It may be noted that this very same argument was raised by the Domestic Industry during the previous proceedings in relation to the earlier name change of the entity from Daewoo International Corporation to POSCO Daewoo Corporation and the same was also recorded in the Amendment Notification dated 31.12.2018 issued by the Authority. Further, the dates of business commencement and business registration shown in the two “Certificate of Business Registration” submitted during the earlier proceedings in relation to name change from Daewoo International Corporation to POSCO Daewoo Corporation clearly correspond to the present Certificates of Business Registration issued by the Namdaemun District Tax Office and Namincheon District Tax Office attached with the application.
- viii. Besides indulging in rhetoric that ‘there is enough reason’, the Domestic Industry has actually not furnished any reason whatsoever for suspecting that POSCO International Corporation existed before 18.03.2019.
- ix. With respect to the Domestic Industry’s claim that “*there is no document to show that these entities did not exist before*”, it cannot possibly be expected that documents demonstrating that an entity by the name of POSCO International did not exist before 18.03.2019 can be produced as it is a negative fact. It is a basic principle of law that a person claiming non-existence of facts cannot be asked to lead evidence to prove the same. The law is that once a person has claimed non-existence of a fact, the respondent/defendant seeking to controvert the same has to lead positive evidence regarding the existence of such facts.
- x. Posco International Corporation is a publicly listed company in the Korea Exchange (KRX) and as such, information in relation to Posco International Corporation is readily available in the public domain. Furthermore, the securities laws in Korea RP i.e. Article 89 and Article 186 of the Securities and Exchange Act and Article 83 of the Enforcement Decree of the Securities and Exchange Act also mandatorily require disclosure of a change in legal structure, status or shareholding.
- xi. Though the Domestic Industry has alleged that the claims made by POSCO International have been different in three applications, the Domestic Industry has failed to aver to and point out such alleged inconsistencies and discrepancies between the present Application dated 21.05.2019 and the previous applications and has merely engaged in rhetoric.

- xii. POSCO International submits that there is no inconsistency as to the reasons for change of name. The company has changed its name in view of seeking uniform branding of the company and in view of goodwill of the name associated with POSCO. Without prejudice, there is no restriction that the company cannot seek change of its name and in fact, there is no justification needed to be given while changing the name of the company. A company is free to change its name for whatsoever reason and as many times as it deems proper for securing its legitimate interests.

11. Rejoinder submissions filed by the domestic industry

- (i) The exporter has suppressed vital fact with regard to POSCO Daewoo's merger with one of its subsidiary POSCO Processing and Service with effect from 1st March 2017. The merger is done with an aim to simplify the steel distribution channels in South Korea as well as in the global market by directly engaging in steel trading, processing and scrapping. Post name change in 2016, POSCO Daewoo merged with POSCO P&S in March 2017. After merger the company became a completely new identity with the change in shareholding pattern, paid-up capital, etc. The exporter has not only changed its name but has also changed the entire shareholding composition. The said merger was not brought on record, which amounts to suppression of facts.
- (ii) Certificate of Business issued by the tax authority and board of resolution is insufficient proof of change of name. There is no documentary evidence to demonstrate that there is no change in ownership and legal status.
- (iii) There is no legal basis given by the company why this change of name should be applied on retrospective basis.

12. Sur-rejoinder by the M/s POSCO International Corporation (Applicant/exporter)

A.

- (i) Domestic industry has raised new issues in rejoinder submissions, which is against the mandate prescribed in Trade Notice No.1 of 2007 issued specifically in respect of contents of rejoinder. In the written submissions, the only issues raised by the Domestic Industry were (i) Change of name is change of ownership; (ii) Daewoo International Corporation and POSCO Daewoo Corporation existed before the alleged name change; and (iii) Contradictory claims made by three different applications. However, the reliance placed by the Domestic Industry on the factum of small scale merger of the steel business division of POSCO P&S Co. with that of POSCO International and alleged suppression of the same is clearly a new issue and argument that has been raised for the first time at the stage of rejoinder submissions. In this regard, it is to be noted that the excerpts produced by the Domestic Industry are from the independent auditors report for the year 2017 which was already available in the public domain and there was no reason why the said fact could not have been mentioned in the written submissions.
- (ii) The principles of constructive res judicata apply to civil proceedings including the present investigation. Hence, it is no longer open for the Domestic Industry to raise the issue as the same could and ought to have been raised by them in the previous name change application.
- (iii) The merger between POSCO International and the steel business division of POSCO P&S (then POSCO Daewoo Corporation) was only a small scale merger which did not result in any alteration in the basic nature of business operations of POSCO International.
- (iv) Since the change in name to POSCO Daewoo Corporation or POSCO International was not on account of merger/de-merger/acquisition/having off or change in ownership structure, the factum of merger of the steel and business division of POSCO P&S with POSCO International, the same was not required to be stated. Not mentioning the above said fact cannot amount to suppression under any circumstances as the same is not a vital fact. Furthermore, the said fact when the same has always been available in the public domain and as well as available on its website since the very beginning. The fact that such publicly available information came to the notice of the Domestic Industry at such a belated stage i.e. after 2 years of such information being published and available to all, cannot amount to suppression on the part of POSCO International.
- (v) POSCO P&S has not exported the subject goods to India at any point of time and therefore, merger of its steel business division with that of POSCO International is not of any relevance insofar as anti-dumping investigation on subject goods is concerned.
- (vi) The fact that POSCO P&S was a related entity to POSCO International (POSCO Daewoo Corporation at the relevant point of time) was mentioned at the relevant place in the Exporter's Questionnaire Response filed by it during the course of the anti-circumvention investigation. The said questionnaire was duly examined and verified by the Authority.

- (vii) The allegation that such a small scale merger resulted in the company becoming a completely new entity is without any basis and POSCO International has already adequately addressed the same in both its Written as well as Rejoinder Submissions along with evidence such as the Certifications of Commercial Registry and the Certificates of Business Registration issued by the INCHEON and Namdaemun District Tax Authorities, which have also been accepted by the Designated Authority in its determination in the earlier name change application. The said documents combined with the annual reports of previous years and quarterly report for first quarter of 2019 clearly prove that the structure of the company has not undergone any change and that there has only been a mere change of name.
- (viii) The principal shareholders of the POSCO International never changed and have remained the same before and after the said merger. Increase in stake of the majority shareholder is a necessary consequence of such a merger. Such increase in itself does not mean that entire shareholding pattern has changed. POSCO International fails to understand how the Domestic Industry can allege a change in ownership and legal status when the shareholding pattern has remained the same before and after the name change.
- (ix) The Domestic Industry has not been able to furnish any evidence to substantiate the above said allegation regarding change in identity of the company and has only indulged misstatements of fact and law throughout the course of these proceedings in order to delay the same.
- (x) There is no question of any evasive replies as alleged by the domestic industry. It was stated in no uncertain terms by POSCO International that there was no change in the legal status and shareholding pattern. All the responses were given to the Authority during the hearing. The allegation that POSCO International was required to clarify this with respect to the investigation period of the previous SSR i.e. from 1st January, 2013 to 31st December 2013 is a misstatement of facts and has been concocted by the Domestic Industry. If any such information was required, the Designated Authority would have issued a notice asking for the same under Rule 6(4) of the AD Rules 1995. In any case, POSCO International had clarified in both its Written and Rejoinder submissions that POSCO International had not undergone any change in ownership and legal structure.
- (xi) The legal basis for retrospective application of name change is to be found on the basic principles of justice, equity and fairness considering the fact that it had been granted an individual rate of duty pursuant to the SSR and the anti-circumvention investigation which should be consistently applied on the same entity throughout the duration of the levy when it is only a case of name change.

B. Response to clarification sought by the Authority through letter dated 17/10/2019 regarding merger of POSCO AST with POSCO P&S.

- (i) POSCO P&S merged with POSCO AST in July 2016, while POSCO P&S merged with POSCO Daewoo on 1st March 2017. Post merger, POSCO AST ceased to be a separate legal entity altogether. Further, the merger of POSCO AST with POSCO P&S happened much prior to merger of POSCO P&S with POSCO Daewoo. It is subsequent to both these mergers that the company applied for its first name change application from 'Daewoo International Corporation' to 'POSCO Daewoo Corporation'. The said request was allowed by the Authority vide Amendment Notification dated 31st December 2018 and name was changed to POSCO Daewoo Corporation. Thus, the issue relating to merger with POSCO AST, which happened prior to previous name change application has been resolved.
- (ii) Post Amendment Notification dated 31st December 2018 as well as post change of name to POSCO INTERNATIONAL Corporation from POSCO Daewoo Corporation on 18th March 2019, there has been no change in the activities of the company in respect of subject product – Cold Rolled Stainless Steel and POSCO INTERNATIONAL Corporation (previously POSCO Daewoo Corporation) continues to be only an exporter of subject goods to India.
- (iii) During the original investigation, POSCO AST was only a supplier of scrap and was involved in supply of raw material to the manufacturer - POSCO Corporation. The said fact was brought to the notice of the Authority as well during the anti-circumvention investigation carried out by the Authority, wherein the company filed its questionnaire response. In the questionnaire response, the Company provided details of all related entities involved with the product under consideration.
- (iv) During the relevant period, neither POSCO P&S nor POSCO AST were involved in either manufacture or exports of subject goods to India. The said response of POSCO Corporation and all its exporters involved in exports of subject goods to India were verified by the Authority and duly recorded.

- (v) At no point of time, POSCO AST produced the subject goods, which were exported into India. Thus, the mere fact that POSCO AST may have been previously a producer of flat products of stainless steel has no relevance in the present name change application as the both the products are different from each other.
- (vi) As regards impact of said merger with POSCO AST on business profile of the organization and the ownership structure of POSCO Daewoo Corporation, it is again reiterated that POSCO AST merged with POSCO P&S and subsequently ceased to be a separate entity altogether. Later on, POSCO P&S merged with POSCO Daewoo Corporation. It may be further noted from above that during 2015, POSCO as the parent company held 60.31% shares in POSCO Daewoo (Now known as POSCO INTERNATIONAL Corporation) and held 95.31% in POSCO P&S. Post-merger, POSCO as the parent company now holds 62.9% shares in POSCO INTERNATIONAL Corporation. The miniscule increase of 2.6% in shares between 2015 and present period is only due to merger of POSCO P&S with POSCO Daewoo. Thus, there have been no impact on the shareholding and ownership structure of POSCO Daewoo (Now POSCO INTERNATIONAL Corporation) in view of POSCO AST's merger with POSCO P&S.
- (vii) Therefore merger of POSCO P&S with POSCO AST as well as merger of POSCO P&S with POSCO INTERNATIONAL Corporation has no bearing in the anti-dumping investigation on imports of Cold Rolled Steel and consequently, on the present name change application.

13. No other interested party has made any submission.

D. Examination by the Authority

- 14.** The Authority notes that M/s POSCO International Corporation has filed the present application as a result of change of name from POSCO Daewoo Corporation to POSCO INTERNATIONAL Corporation. In support of the request, the applicant has made available the following documents, which have been examined by the Authority to the extent necessary:
- a. Certificate of Business Registration dated 26th March 2019 issued by Namdaemun District Tax Authority
 - b. Certificate of Business Registration dated 22nd March 2019 issued by Namincheon District Tax Authority
 - c. Certification of Commercial Registry dated 19th March 2019
 - d. Board Resolution dated 18th March 2019 passed by the company in respect of change of name to POSCO INTERNATIONAL CORPORATION.
 - e. Articles of Association of POSCO INTERNATIONAL CORPORATION
 - f. Financial Statements of POSCO INTERNATIONAL CORPORATION for the year 2017 and 2018.
 - g. Relevant extracts of Quarterly Report for the 1st Quarter ending on 31st March 2019 of POSCO INTERNATIONAL CORPORATION, duly translated in English.
- 15.** Prior to the present application, the name of the applicant was changed from Daewoo International Corporation to POSCO Daewoo Corporation. The applicant made an application dated 12th November 2018 to DGTR to modify its name from Daewoo International Corporation to POSCO Daewoo Corporation. The Authority considered the said request and issued an amendment notification dated 31st December 2018, wherein DGTR accepted the request for change of name to 'POSCO Daewoo Corporation'
- 16.** In accepting the request for change of name, the Authority concluded as under in its amendment notification dated 31st December 2018:
- 10. The Authority notes that Domestic Industry's submissions that it is a case of amalgamation/merger has been verified as per the records of the Company Register and Certificate of Registration submitted by the applicant exporter. The Certificate referred to by the Domestic industry pertains to the branch office establishment of the erstwhile Daewoo International Corporation as has been correlated from the certificate of business registration dated 20.01.2015 also issued to M/s Daewoo International Corporation mentioning the same details of the branch office. The Authority therefore holds that the request is of name change only and that there is no change in shareholding pattern of ownership which therefore do not alter the basic nature of business operations of the exporter.*
- 11. Having considered all aspects, the Authority holds that the name of the exporter i.e. M/s Daewoo International Corporation has been changed to POSCO Daewoo Corporation with effect from 14.3.2016. Thus, Daewoo International Corporation and POSCO Daewoo Corporation are the same companies.*
- 17.** The Authority notes that in the present case as well, POSCO International Corporation and POSCO Daewoo Corporation share the same Resident (Corporation) registration number and the change in name is reflected in the Company Register and also the Certificate of Business registration issued by the concerned Tax Authority.

18. The Authority further notes that the Certification of Commercial Registry provided by the applicant, clearly crosses out the previous name and replaces the previous names with the new name – POSCO INTERNATIONAL Corporation. The said certificate also validates the date of change of previous name, from Daewoo International Corporation to POSCO Daewoo Corporation, that is, 14 March 2016; which is also noted by the Authority in its previous finding dated 31st December 2018.
19. The Authority noting the response by the exporter regarding the merger of POSCO AST and POSCO P&S observes that the relevant facts about the merger in question at this stage are as follows:
- POSCO held 93.96% in POSCO P&S.
 - POSCO also held 60.31% in POSCO Daewoo Corporation.
 - The steel business division of POSCO P&S was merged with POSCO Daewoo Corporation.
 - As result of the said merger of the steel business division of POSCO P&S with POSCO Daewoo Corporation, the shareholding of POSCO in POSCO Daewoo Corporation increased from 60.31% to 62.90%.
 - POSCO P&S continues to operate its other businesses.
20. The Authority after examining the company's shareholding for the past 3 years, including for the period post change of name claimed by the applicant. Based on the published annual reports for the year 2017 and 2018 as well as quarterly report for the first quarter ending on 31st March 2019, the Authority notes that the shareholding of the company has not undergone any major change in structure, prior to name change as well as post name change.

E. Conclusion and Recommendations

21. Having considered all aspects, the Authority holds that the name of the exporter i.e. M/s POSCO Daewoo Corporation has been changed to POSCO INTERNATIONAL Corporation with effect from 18.3.2019. Thus, POSCO Daewoo Corporation and POSCO INTERNATIONAL Corporation are the same companies.
22. In view of the above, the Authority recommends amendments in the corresponding customs notification no. 61/2015– Customs (ADD), dated 11th December, 2015 pursuant to the sunset investigation finding 15/04/2014 – DGAD dated 12th October 2015 and notification No. 52/2017- Custom (ADD) dated 24th October, 2017, pursuant to anti-circumvention investigation, finding dated 18th August 2017 along with corresponding Customs Notification No. 08/2019-Customs (ADD) dated 12th February 2019 and customs notification no. 09/2019-customs (ADD) dated 12th February 2019 respectively in the following manner:
- Substitute the words **“POSCO International Corporation”** in place of “POSCO Daewoo Corporation” in;
 - Duty table under para 196 of the Final Finding No. 15/4/2014 dated 12/10/2015, as amended through Notification No. 15/4/2014-DGAD dated 31st December 2018.
 - Customs Notification No. 61/2015-Customs (ADD) dated 11th December 2015 (as amended vide Customs Notification No. 8/2019-Customs (ADD) dated 12th February 2019).
 - In the Anti-Circumvention investigation whose Final Finding No. 14/1/2014-DGAD was Issued on 18/8/2017, the Authority in Para 111 of this finding has recommended extension of ADD imposed vide Custom Notification No.61/2015- Customs (ADD) dated 11/12/2015 to the product under investigation considered in 14/1/2014-DGAD dated 18/8/2017 and by corresponding Customs Notification No 8/2019-Customs (ADD) dated 12/2/2019. The Custom Notification No.52/2017 Customs (ADD) dated 24/10/2017 was amended through Custom Notification No. 9/2019-Customs (ADD) dated 12/2/2019 on the basis of Notification No. 14/1/2014-DGAD dated 31/12/2018.
 - Substitute the words **“POSCO International Corporation”** in place of “Daewoo International Corporation” in Customs Notification No. 52/2017- Custom (ADD) dated 24th October, 2017 (as amended vide Custom Notification No. 9/2019-Customs (ADD) dated 12th February 2019).
23. An appeal against the orders of the Central Government arising out of this order shall lie before the Customs, Excise, and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act.

SUNIL KUMAR, Spel. Secy. & Designated Authority